प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 7 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

मनुष्य यदि पशुओं से श्रेष्ठ है तो उसका प्रमुख कारण है उसकी **बुद्धि**। बुद्धि के बल पर ही मनुष्य ने पशुओं पर विजय प्राप्त कर ली है जो शारीरिक शक्ति में उससे कहीं अधिक शक्तिशाली हैं। उसने समस्त ब्रह्माण्ड पर भी विजय प्राप्त कर ली है परन्तु प्रश्न उठता है कि मनुष्य संसार का सर्वश्रेष्ठ प्राणी बना कैसे? मनुष्य को ज्ञान का भण्डार कहाँ से प्राप्त होता है? यह ज्ञान उसे दो तरह से प्राप्त होता है, एक गुरु से तथा दूसरा पुस्तकों सें गुरु हमारा मार्गदर्शन करता है परन्तु जो ज्ञान वह हमें प्रदान करता है वह भी पुस्तकों से प्राप्त किया हुआ होता है। अतः हम कह सकते हैं कि पुस्तकें गुरुओं की भी गुरु होती है।

पुस्तकें हमारी ऐसी मित्र हैं जो हर पल हमारा साथ देती है। इनसे हमारा स्वस्थ मनोरंजन होता है। इन्हें पढ़कर कभी हम खिलखिलाते हैं और कभी भावों में डूब जाते हैं। ये हमें कभी अकेला नहीं छोड़तीं। महात्मा गांधी का कहना था कि अच्छी पुस्तकों के पास होने से हमें अपने भले मित्रों के साथ न रहने की कमी कभी नहीं खटकती।

वास्तव में पुस्तकें हमारे लिए वरदान हैं। ज्ञान प्राप्ति के लिए और बुद्धि के विकास के लिए विभिन्न ज्ञानवर्धक पुस्तकों का अध्ययन बहुत ही आवश्यक है। यदि जीवन में उन्नति के पथ पर अग्रसर होने और अपनी अभिलाषा को पूर्ण करने की इच्छा है तो इस कार्य में पुस्तकें ही एक सच्चे मित्र की तरह सहायता कर सकेंगी। अच्छी पुस्तकें मनुष्य के सोच–विचार को ही बदल देती हैं। विद्यार्थी बड़े–बड़े महान लोगों की आत्मकथाएँ पढ़कर प्रोत्साहित होते हैं और जान लेते हैं कि जीवन में उन्होंने किस प्रकार संघर्ष किया। अपने मार्ग की बाधाओं पर उन्होंने किस प्रकार विजय प्राप्त की। निडर होकर पथ पर चलने और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का संदेश पुस्तकें ही देती हैं।

1. मनुष्य के लिए बुद्धि का क्या महत्व है? 2

उत्तर : मनुष्य की बुद्धि ने उसे पशुओं से श्रेष्ठ बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। यह बुद्धि का ही चमत्कार है कि उसने उन पशुओं पर विजय प्राप्त कर ली है जो शारीरिक बल में उससे कहीं बढ़े–चढ़े हैं। बुद्धि के बल पर मनुष्य ने समस्त ब्रह्माण्ड पर विजय प्राप्त कर ली है।

2. पुस्तकें गुरुओं की भी गुरू होती हैं? कैसे? 2

उत्तर : मनुष्य को ज्ञान का भंडार गुरु से अथवा पुस्तकों से प्राप्त होता है। इसके साथ–साथ यह भी सच है कि गुरु हमें जो ज्ञान प्रदान करते हैं, वह भी पुस्तकों से प्राप्त किया हुआ होता है। अतः हम यह कह सकते हैं कि पुस्तकें गुरुओं की भी गुरु होती हैं।

3. पुस्तकें हमारा साथ किस तरह से देती हैं? पुस्तकों के बारे में महात्मा गांधी का क्या कहना था? 2

उत्तर : पुस्तकें हर पल हमारा साथ देती हैं। ये हमें कभी अकेला नहीं छोड़तीं। महात्मा गांधी का कहना था कि अच्छी पुस्तकों का साथ होने से हमें अपने भले मित्रों के साथ न रहने की कमी कभी नहीं खटकती।

4. महान लोगों की आत्मकथाएँ पढ़ने से विद्यार्थी को क्या लाभ होता है? 2

उत्तर : विद्यार्थी महान लोगों की आत्मकथाएँ पढ़कर प्रोत्साहित होते हैं और जान लेते हैं कि जीवन में उन्होंने किस प्रकार संघर्ष किया। उन्होंने अपने जीवन के मार्ग में आने वाली किन–किन बाधाओं पर विजय प्राप्त की। विद्यार्थियों को इन सारी बातों की जानकारी मिलती है तथा इनसे प्रेरणा ग्रहण करते हुए वे निडर होकर अपने पथ पर चलते हैं और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर होते हैं।

5. पुस्तकों का अध्ययन क्यों आवश्यक है? 1
उत्तर : ज्ञान प्राप्ति के लिए और बुद्धि के विकास के लिए विभिन्न ज्ञानवर्धक पुस्तकों का अध्ययन बहुत आवश्यक है।
6. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1
उत्तर : पुस्तक : सच्चा मित्र।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. अच्छा खिलाड़ी अनुशासनप्रिय होता है। वाक्य में रेखांकित को शब्द कहेंगे या पद? बताइए। 1
उत्तर : पद

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए $1 \times 3 = 3$
1. शिक्षक के आते ही वहाँ सन्नाटा छा गया। (मिश्र वाक्य में)
उत्तर : जब शिक्षक आए, तब वहाँ सन्नाटा छा गया।
2. घनघोर वर्षा के कारण वहाँ के रास्ते बंद हो गए। (संयुक्त वाक्य में)
उत्तर : घनघोर वर्षा हुई इसलिए वहाँ के सभी रास्ते बंद हो गए।
3. मैंने एक बहुत बीमार व्यक्ति को देखा। (मिश्र वाक्य में)
उत्तर : मैंने एक व्यक्ति को देखा जो कि बीमार था।

4.
1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$
शोधकार्य, पीतांबर
उत्तर : शोधकार्य – शोध का कार्य (तत्पुरुष समास)
पीतांबर– पीत है अंबर जिसका अर्थात विष्णु (कर्मधारय समास)
2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$
लोक में प्रिय, महान है जो देव (शिव)
उत्तर : लोक में प्रिय– लोकप्रिय (तत्पुरुष समास)
महान है जो देव (शिव)– महादेव (बहुब्रीहि समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$
1. एक सोने का घर ले आओ।
उत्तर : सोने का एक घर ले आओ।
2. कृपया आज का अवकाश देने की कृपा करें।
उत्तर : आज का अवकाश देने की कृपा करें।
3. मुझे हजार रुपया चाहिए।
उत्तर : मुझे हजार रुपये चाहिए।
4. क्या वह देख लिया है?
उत्तर : क्या उसने देख लिया है?

6. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए। $1 \times 4 = 4$
1. काँटे बिछाना
उत्तर : दूसरों के लिए काँटे बिछाना दुर्जनों का स्वभाव होता है।
2. लोहा मानना।
उत्तर : प्रोफेसर साहब का भाषण सुनने के बाद सभी उनकी विद्वता का लोहा मान गए।
3. उल्लू सीधा करना
उत्तर : राघव को धोखे में रखकर रीता अपना उल्लू सीधा कर रही है।
4. आस्तीन का साँप
उत्तर : राज ने निर्भय की बहुत सहायता की लेकिन वह तो आस्तीन का साँप निकला।

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$
1. बड़े भाई साहब उपदेश की कला में माहिर थे, पर छोटा भाई मेहनत से घबराता था। उसे क्या अच्छा लगता था?
उत्तर : बड़े भाई छोटे भाई को अक्सर उपदेश देते रहते थे। वे उसे अनुशासन का पालन करने, परिश्रम करने और खेल–कूद से दूर रहने की सलाह देते रहते थे परन्तु छोटे भाई की रुचि कंकरियाँ उछालने, कागज की तितलियाँ उड़ाने, चारदीवारी पर चढ़कर नीचे कूदने, फाटक पर सवार होने, आगे–पीछे चलाते हुए मोटरकार का आनंद उठाने जैसे कार्यों में थी।
2. **पशुपर्व** में प्रतियोगिता के बाद ततांरा कार्यक्रमों में क्यों भाग नहीं ले सका?
उत्तर : **पशुपर्व** के दिन प्रतियोगिता के बाद नृत्य–संगीत और भोजन का कार्यक्रम था। धीरे धीरे विभिन्न कार्यक्रम शुरू हुए। ततांरा का मन इन कार्यक्रमों में नहीं लग रहा था। वह अपनी प्रेमिका वामीरो को ढूँढ़ने के लिए व्याकुल हो रहा था। वामीरो के बिना उसे सारे आयोजन बेकार लग रहे थे। इसलिए कार्यक्रम में भाग लेने के बजाय वह वामीरो को ढूँढ़ने में लग गया।
3. **अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले**, पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक पाठ के माध्यम से क्या संदेश देना चाहता है?
उत्तर : इस पाठ के माध्यम से लेखक हमे संदेश देना चाहता है कि हमें अपने मन में सभी जीवों के प्रति प्रेम–भाव और दया होनी चाहिए। जीव–जंतुओं के प्रति निर्दयतापूर्ण व्यवहार नहीं करना चाहिए।
4. अफगानिस्तान के बादशाह को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत किस–किसने दी और क्यों?
उत्तर : अफगानिस्तान के बादशाह को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत सबसे पहले टीपू सुल्तान ने दी थी। फिर वजीर अली ने उन्हें हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत दी थी। उसके बाद बंगाल के नवाब के रिश्ते के भाई शमसुद्दौला ने उन्हें ऐसा करने को कहा था। ये तीनों अफगानिस्तान के

बादशाह की मदद से अंग्रेजों को कमजोर कर भारत से बाहर करना चाहते थे। अपने देश की आजादी के सपने उनकी आँखों में तैर रहे थे और वे उसी को पूरा करना चाहते थे।

8. वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था, कैसे? 80–100 शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर : वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था। वह अपनी जान पर खेलकर भारत को स्वतंत्र कराना चाहता था। उसने अवध पर केवल पाँच महीने ही शासन किया। किन्तु अपने शासन के दौरान उसने अंग्रेजी प्रभाव को वहाँ पनपने नहीं दिया। वह अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने में यकीन रखता था। वह अंग्रेजी शासन को अन्याय का प्रतीक समझता था। उसने कई बार अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह भी किए थे। वह निडर होकर अंग्रेजों के कैंप में घुस गया था। उसे अपनी जान की भी परवाह नहीं थी। उसके जाँबाज सिपाही होने का परिचय उस घटना से मिलता है जब वह अंग्रेजों के कैंप में घुसकर कारतूस लेने में सफल हो जाता है तथा कर्नल उसे देखता रह जाता है।

अथवा

आपके विचार में कौनसे ऐसे मूल्य हैं जो शाश्वत हैं? वर्तमान समय में इन मूल्यों की प्रासंगिकता 80–100 शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : शाश्वत मूल्य वे होते हैं, जो पौराणिक समय से चले आ रहे हों, वर्तमान में भी जो महत्वपूर्ण हों तथा भविष्य में भी जो उपयोगी हों। ये प्रत्येक काल में समान रहते हैं। युग, स्थान तथा काल का इन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। सत्य, अहिंसा, परोपकार, त्याग, एकता, भाईचारे की भावना, देश–प्रेम आदि शाश्वत मूल्य है।

वर्तमान समय में भी इन मूल्यों की प्रासंगिकता बनी हुई है। सत्य और अहिंसा के बिना राष्ट्र का कल्याण नहीं हो सकता। शांतिपूर्ण जीवन–यापन के लिए परोपकार, त्याग, एकता, भाईचारा तथा देश–प्रेम की भावना का होना अत्यंत आवश्यक है। ये शाश्वत मूल्य युगों–युगों तक कायम रहेंगे।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. तोप का अतीत कैसा था और वर्तमान कैसा है? कविता के आधार पर लिखिए।

   उत्तर : अंग्रेज शासकों ने तोप का उपयोग भारतीय क्रांतिकारियों को दबाने के लिए किया था। इस तोप ने अनेक शूरवीरों की हत्या की थी। उन पर गोले बरसाए थे। एक दिन ऐसा आया जब भारतीय जाँबाजों ने इस तोप को निस्तेज कर दिया। यह तोप का अतीत है। अब यह निरर्थक होकर देखने की चीज बन गई है। इसकी भयावहता समाप्त हो चुकी है। इस पर बैठकर बच्चे खेलते हैं। चिड़ियाँ, गौरैये बैठकर बातें करती हैं। अब किसी का डर नहीं रह गया है। यह तोप का वर्तमान स्वरूप है।

2. इस कविता से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?

   उत्तर : इस कविता से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि विपत्ति या दुख के समय न घबराकर धैर्य और निर्भीकता के साथ उसका सामना करें। दुख–कष्ट या विपत्ति के समय ईश्वर से कष्ट सहन करने की शक्ति की कामना करनी चाहिए।

3. कविता में साथियों संबोधन का प्रयोग किसके लिए किया है?

   उत्तर : कवि ने **साथियों** शब्द का प्रयोग सैनिकों के साथियों एवं देशवासियों के लिए किया है। सैनिक स्वयं को मातृभूमि पर न्योछावर करते हुए मृत्यु को गले लगा रहे हैं। वे अपने साथियों पर देश की रक्षा का भार सौंप रहे हैं। अब देश की रक्षा का दायित्व सैनिकों और देश के सभी नागरिकों का है।

4. दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती है? स्पष्ट कीजिए।

   उत्तर : मीरा श्रीकृष्ण को सर्वस्व समर्पित कर चुकी हैं इसलिए वे केवल कृष्ण के लिए ही कार्य करना चाहती हैं। श्रीकृष्ण की समीपता व दर्शन हेतु उनकी दासी बनना चाहती हैं। वे चाहती हैं दासी बनकर श्रीकृष्ण के लिए बाग लगाएँ, उन्हें वहाँ विहार करते हुए देखकर दर्शन सुख प्राप्त करें। वृंदावन की कुंज गलियों में उनकी लीलाओं का गुणगान करना चाहती हैं। इस प्रकार दासी के रूप में दर्शन, नाम स्मरण और भाव–भक्ति रूपी जागीर प्राप्त कर अपना जीवन सफल बनाना चाहती हैं।

10. पशु–प्रवृत्ति से क्या अभिप्राय है? मनुष्य को यह प्रवृत्ति क्यों नहीं अपनानी चाहिए? 80–100 शब्दों में बताइये? 5

उत्तर : पशु–प्रवृत्ति से अभिप्राय है केवल अपने बारे में सोचना क्योंकि पशु का आचरण है कि वह केवल अपने पेट भरने से मतलब रखता है। इसी तरह जो मनुष्य केवल अपने लिए जीता है, उसकी प्रवृत्ति वास्तव में पशु–प्रवृत्ति ही है। यह तो पशुओं के स्वभाव जैसा है, जो केवल स्वयं का भरण–पोषण करते हैं।

मनुष्य को यह प्रवृत्ति नहीं अपनानी चाहिए। उसे दूसरे के हित का भी ध्यान रखना चाहिए। यदि मनुष्य पशु–प्रवृत्ति को अपना लेगा तो उसमें और पशु में क्या अंतर रह जाएगा। फिर वह अपने को पशुओं से श्रेष्ठ कैसे कह सकेगा। वास्तव में मनुष्य वही है जो दूसरे मनुष्यों के लिए मरता है, उनके लिए कष्ट सहन करता है।

अथवा

बिहारी द्वारा रचित दोहों को पढ़कर मनुष्य को क्या–क्या सीख लेनी चाहिए? 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर : बिहारी के दोहे हमें अनेक प्रकार की शिक्षा देते हैं। अपने एक दोहे में वे कहते हैं कि आपत्ति काल में हमें आपसी वैरभाव को भुला देना चाहिए। एक अन्य दोहे में कवि कहते हैं कि ईश्वर प्राप्ति के लिए हमें माला जपना, ईश्वर का नाम शरीर पर अंकित करना, मस्तक पर तिलक धारण करना आदि धार्मिक बाह्य आडंबरों का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि इनसे कार्य सिद्धि नहीं हो सकती। इनके स्थान पर हमें सच्चे मन से ईश्वर–भक्ति करनी चाहिए। इसी माध्यम से प्रभु को

प्रसन्न किया जा सकता है। इस प्रकार बिहारी लाल हृदय की उच्चता को श्रेष्ठ बताते हैं।

11.

1. **हरिहर काका** पाठ के आधार पर 60-70 शब्दों में स्पष्ट कीजिए कि धार्मिक काम-काज के लिए गठित ठाकुरबारी जैसी संस्थाएँ भी कुटिल चालें चलकर समाज का अहित करती हैं। 3

   उत्तर : ठाकुरबारी के साथ गाँव के लोगों की आस्थाएँ जुड़ी हुई थीं। अपने प्रत्येक शुभकार्य का आरंभ वे ठाकुरबारी से ही करते थे। ठाकुरबारी का गठन धार्मिक काम-काज के लिए ही हुआ था। परन्तु इसी पवित्र संस्था के महंत ने कुटिल चालें चलीं। हरिहर काका की जमीन हथिया लेने के लिए पहले तो ठाकुरबारी के महंत ने उनकी खूब आवभगत की, लेकिन उनकी जमीन नहीं हथिया सके तो उन्होंने हरिहर काका को जबरन उठवा लिया। ऐसे कलुषित प्रवृत्ति के लोग समाज का बहुत अहित करते हैं। ठाकुरबारी जैसी संस्थाओं द्वारा केवल समाजोपयोगी कार्य ही किए जाएँ।

2. दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाईं? 60-70 शब्दों में बताइये। 3

   उत्तर : दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी नहीं कर पाईं क्योंकि दादी का विवाह मौलवी से हुआ था। उनके यहाँ इस प्रकार जश्न मनाने का रिवाज न था। अतः उन्हें अपनी इच्छा दबाकर जीवन जीना पड़ा।

खण्ड-घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **लोकतंत्र और चुनाव।**

   ✻ लोकतंत्र में लोक का महत्व ✻ जनता की आवाज : चुने हुए प्रतिनिधि ✻ प्रतिनिधि चुनने से लोकतंत्र की रक्षा ✻ सही प्रतिनिधि कैसे चुनें

2. **बुरा जो देखन मैं चला।**

   ✻ निंदा करना एक आम दुर्गुण ✻ सामान्य जीवन से उदाहरण ✻ दोष सुधार कैसे?

3. **कम्प्यूटर।**

   ✻ उपयोगी वैज्ञानिक आविष्कार ✻ विविध क्षेत्रों में कम्प्यूटर ✻ लाभ-हानि।

   उत्तर :

1. लोकतंत्र और चुनाव।

लोकतंत्र से तात्पर्य लोक यानी जनता और तंत्र यानी शासन से है जिसका अर्थ है जनता का शासन। लोकतंत्र में लोक का बहुत महत्व हैं क्योंकि लोकतंत्र सरकार का एक ऐसा रूप है जिसमें प्रजा शासन करती है। या तो सीधे वैयक्तिक भागीदारी के माध्यम से अथवा परोक्ष रूप से निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से। जिस क्रियाविधि के माध्यम से लोग सरकार में परोक्ष रूप से भाग लेते हैं, वह है अपने मनोरथ के कार्यान्वयन हेतु प्रतिनिधि चुनना, जिसे हम चुनाव कहते हैं। सत्ता में आए प्रतिनिधि जनता की आवाज होते हैं। वे आम जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं। लोकतंत्र जनता का शासन होता है, इसलिए लोकतंत्र की रक्षा करना भी जनता का ही कर्तव्य होता है जिसके लिए ही जनता अपने प्रतिनिधि चुनकर लोकतंत्र का निर्माण एवं रक्षा करती है। लोग अपने प्रतिनिधि एक विधानमण्डल या सभा हेतु चुनते हैं और ये प्रतिनिधि उनकी ओर से निर्णय लेने के लिए प्राधिकृत होते हैं। वास्तविक संप्रभुता लोगों के ही पास रहती है जो अपने प्रतिनिधियों को उत्तरदायी ठहरा सकते हैं और जब अगला चुनाव चक्र आता है तो उन्हें पुनः चुनने से मना कर सकते हैं। इसलिए जनता को सही प्रतिनिधि का चुनाव करना चाहिए। सही प्रतिनिधि चुनते समय जनता को निष्पक्ष होकर प्रतिनिधि को लोकतंत्र की कसौटी पर तौलना चाहिए।

2. बुरा जो देखन मैं चला

मानव का यह स्वभाव है कि वह दूसरों में बुराइयाँ ढूँढ़ता रहता है। दूसरों की निंदा करने में, उनमें कमियाँ ढूँढ़ने में उसे अपूर्व आनंद की अनुभूति होती है। कुछ न कुछ कमियाँ या दोष प्रत्येक व्यक्ति में होते हैं, इसके बावजूद मनुष्य दूसरों की निंदा करने में तत्पर रहता है। उदाहरण के लिए रिश्वतखोरी, बेईमानी अथवा भ्रष्टाचार में लिप्त लोग दूसरों की निंदा करने में किसी भी तरह से संकोच का अनुभव नहीं करते। परन्तु वे ही लोग अपनी बुरी प्रवृत्तियों के प्रति आँखें मूँदे रहते हैं। इस दोष के सुधार के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने अंदर झाँककर देखना होगा। **आत्मदीपों भव** अर्थात् अपना सुधार स्वयं करते हुए उसे अपनी बुराइयों को दूर करना होगा और परनिंदा से बचना होगा। इसके साथ ही उसे दूसरों की अच्छी प्रवृत्तियों को, गुणों को उभारने का प्रयास करना होगा, तभी अच्छे समाज का गठन हो सकेगा।

3. कम्प्यूटर

विज्ञान के अत्याधुनिक उपकरणों में कम्प्यूटर का विशेष स्थान है। कम्प्यूटर एक प्रकार का मानव-मस्तिष्क है जो कठिन से कठिन गणनाएँ, गुणा, भाग, जोड़, घटाना आदि पलक झपकते ही करने में समर्थ है। आज के युग को यदि कम्प्यूटर युग कहा जाए तो अतिशयोक्ति न होगी क्योंकि जीवन के प्रायः हर क्षेत्र में कम्प्यूटर का सफलतापूर्वक प्रयोग किया जा रहा है। बैंकों, रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों के अलावा वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, इंजीनियरों द्वारा भी कम्प्यूटर का प्रयोग किया जाता है। वायुयान, जलयान आदि के संचालन, युद्धों के संचालन तथा रक्षा सामग्री के उत्पादन में भी कम्प्यूटरों की सहायता ली जाती है। आजकल तो कम्प्यूटर पर इंटरनेट सुविधाएँ उपलब्ध होने से विश्व की कोई भी सूचना या समाचार कुछ ही क्षणों में उपलब्ध हो जाता है। अनेक विषयों की पढ़ाई में भी कम्प्यूटर सहायक हो रहा है। भारत में कम्प्यूटर ने सूचना क्रांति ला

दी है। पुस्तकों की छपाई में भी कम्प्यूटर क्रांतिकारी साबित हुआ है। इस प्रकार कम्प्यूटर अलादीन का चिराग बन गया है। वर्तमान में कम्प्यूटर साक्षर को ही साक्षर कहा जाने लगा है। इसी से स्पष्ट है कि देश के विकास में कम्प्यूटर की उपयोगिता कितनी अधिक है।

13. बस में यात्रा करते समय आपका मोबाइल फोन गुम हो गया। अपने क्षेत्र के पुलिस अधिकारी को इसकी सूचना देते हुए एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
मुख्य पुलिस अधिकारी,
रजत विहार,
नई दिल्ली।
दिनांक : 3 मार्च, 2018

विषय : मोबाइल फोन गुम होने की सूचना देने हेतु।

महोदय,

मैं साकेत विहार में रहता हूँ। मेरा ऑफिस इंद्रप्रस्थ में है। मुझे प्रतिदिन 729 नम्बर की बस से ऑफिस आना–जाना होता है। कल सुबह 9:00 बजे जब मैं बस में सवार हुआ तो मेरा मोबाइल मेरे हाथ में ही था परन्तु बहुत भीड़ होने के कारण वह मेरे हाथ से छूट गया और जल्दी में होने के कारण मेरा इस बात पर ध्यान भी नहीं गया। बाद में ऑफिस पहुँचने पर मुझे पता लगा कि मेरा मोबाइल बस में ही छूट गया है। मैं तभी वापस आ गया और मैंने मोबाइल का पता करने की बहुत कोशिश की परन्तु कुछ पता नहीं लग पाया। फोन करके देखने पर बंद आ रहा है। मेरा मोबाइल नम्बर 9878334792 है। मेरा मोबाइल सैमसंग कम्पनी का है जो मॉडल 1225 है। मैं मोबाइल गुम होने के कारण बहुत परेशान हूँ, क्योंकि मेरे सभी परिचितों के नम्बर भी उसी में हैं।

अतः आप मेरा मोबाइल खोजने की कार्यवाही करके मेरा सहयोग करें। मैं सदैव आपका आभारी रहूँगा।

सधन्यवाद।
भवदीय,
राजेश
1254, गली नं. 9,
साकेत विहार, उत्तर प्रदेश।

अथवा

नगर की सफाई–दुर्व्यवस्था की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए स्वास्थ्य मंत्री को एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

सेवा में,
स्वास्थ्य मंत्री,
दिल्ली सरकार,
नई दिल्ली–110001

विषय : सफाई–दुर्व्यवस्था के संबंध में।

महोदय,

नगर में कहीं भी स्वच्छता दृष्टिगोचर नहीं होती। खासकर हमारे ईस्ट लोनी रोड इलाके में पिछले पन्द्रह दिनों से सफाई कर्मचारी काम पर नहीं आ रहे हैं। मोहल्ले में चारों ओर कूड़ा–कचरा इकट्ठा हो गया है। नालियों की सफाई न होने से नालियों का पानी गलियों में इधर–उधर बह रहा है। गंदगी के कारण मक्खियों–मच्छरों की भरमार है। साथ ही आवारा पशु जैसे कुत्ते और साँड़ कचरे को इधर–उधर बिखरा देते हैं। राह चलना मुश्किल हो गया है। साथ ही दुर्गन्ध के कारण यहाँ एक पल भी रहने की इच्छा नहीं होती।

अतः मैं इस ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ, ताकि आप हमारी इस समस्या पर गंभीरता से विचार–विमर्श करें एवं सफाई कर्मचारियों को तुरंत अपना काम करने के लिए निर्देश दें। आपसे मेरा विनम्र अनुरोध है कि आप सफाई कर्मचारियों को हमारे इलाके की सभी नालियों की समुचित सफाई करने और कूड़े का ढेर हटाने का तुरंत आदेश देकर संक्रामक रोगों को फैलने से बचाएँ।

धन्यवाद।
भवदीय,
कमल
पता– विकास नगर।
दिनांक : 16 सितम्बर, 2019

14. आप सी.एस.ए. हायर सैकेंड्री स्कूल के प्रधानाचार्य हैं। विद्यालय में लेखन प्रतियोगिता होने जा रही है। छात्रों हेतु सूचना 40–50 शब्दों में जारी कीजिए। 5

उत्तर :

सी.एस.ए. हायर सैकेंड्री स्कूल, कालकाजी, दिल्ली

सूचना

दिनांक : 08 जनवरी, 2017

विषय : लेखन प्रतियोगिता हेतु रचनाओं का आमंत्रण।

आगामी माह में विद्यालय में लेखन प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। विद्यार्थी अपनी रचनाएँ दिनांक 5 नवम्बर, 2019 तक हिंदी अध्यापिका डॉ. रेखा गर्ग को उपलब्ध करा दें। रचनाएँ फुलस्केप साइज के कागज पर एक ओर साफ शब्दों में लिखी या टाइप की हुई होनी चाहिए।

हस्ताक्षर
डॉ. वेदप्रकाश शर्मा
प्रधानाचार्य

अथवा

कल्पना कीजिए कि आप सार्वजनिक पुस्तकालय के अध्यक्ष हैं। पुस्तकालय का समय बढ़ाया गया है तथा रविवार को

अवकाश रखने का निर्णय लिया गया है। इसकी सूचना 40–50 शब्दों में जारी कीजिए।

उत्तर :

शास्त्री सार्वजनिक पुस्तकालय, नई दिल्ली

सूचना

आप सभी को सूचित किया जाता है कि दिनांक 24 नवम्बर, 2019 से पुस्तकालय रविवार को बंद रहेगा। पुस्तकालय का समय प्रतिदिन एक घंटा बढ़ाकर प्रातः 9:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक कर दिया गया है।

हस्ताक्षर
आर.एस. भाकर
पुस्तकालय अध्यक्ष

15. प्रिया अपनी कक्षा में सर्वाधिक अंक पाती रही है। इस बार उसके अंक बहुत कम हैं। इस संबंध में शिक्षिका और प्रिया की बातचीत को लगभग 50–60 शब्दों में संवाद शैली में लिखिए। 5

उत्तर :

शिक्षिका : अर्चना! तुम तो सर्वाधिक अंक पाने वाली छात्रा हो, इस बार इतने कम अंक पाने का क्या कारण है?

प्रिया : पता नहीं मेम, मैंने तैयारी तो अच्छी की थी। प्रश्न भी पढ़े हुए आए लेकिन लिखते समय मैं उत्तर भूल गई।

शिक्षिका : भई ऐसा तो तब होता है जब हममें आत्मविश्वास की कमी हो, या हड़बड़ी में एक प्रश्न हल करते समय हम दूसरे प्रश्नों के उत्तर के बारे में सोच रहे हों।

प्रिया : हाँ मेम, कुछ ऐसा ही हुआ इस बार।

शिक्षिका : कोई बात नहीं, वार्षिक परीक्षा में एक–एक प्रश्न को आराम से तैयार करना और यह सुनिश्चित हो जाने पर कि उत्तर ठीक है उसकी ओर से ध्यान हटाकर ही दूसरा प्रश्न तैयार करना। ठीक ऐसे ही उत्तर लिखते समय उसी उत्तर पर केन्द्रित होना चाहिए। इसका अभ्यास करो, सब ठीक हो जाएगा।

प्रिया : जी मेम, मैं ठीक ऐसे ही तैयारी करूँगी।

अथवा

क्रिकेट मैच के परिणाम के बारे में दो दर्शकों के मध्य बातचीत लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

पहला दर्शक : अब कुल बारह गैंदें बची हैं और भारत को जीतने के लिए बीस रन चाहिए। क्या लगता है आपको, ऊँट किस करवट बैठेगा?

दूसरा दर्शक : जब तक क्रीज पर हरभजन है, कुछ भी मुश्किल नहीं हैं।

पहला दर्शक : जहीर को भी कम मत समझो, एक–दो छक्के वह भी मार सकता है।

दूसरा दर्शक : कुछ भी हो सकता है, पर दक्षिण अफ्रीका की ओर से गेंदबाजी बहुत अच्छी हो रही है।

पहला दर्शक : ओवर शुरू होने वाला है, आइए देखें, हमारे धुरंधर क्या गुल खिलाते हैं।

16. सरकार की निःशुल्क कम्प्यूटर शिक्षा योजना के लिए 25–50 शब्दों का विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

सरकार की निःशुल्क कंप्यूटर शिक्षा योजना के अंतर्गत कंप्यूटर कोर्स करें

कोर्स : डी.टी.पी., टैली, डिजाइनिंग, नेट आदि

आज ही अपना नाम पंजीकृत कराएँ और योजना का लाभ उठाएँ

योग्यता : हाईस्कूल पास अंतिम तिथि : 10 अक्टूबर 2019

संपर्क करें:
स्वामी दयानन्द शिक्षा संस्थान
मेन रोड, चोपडा बाजार, अजमेर
फ़ोन–09413028511

अथवा

सैल फोन विक्रेता हेतु 25–50 शब्दों में विज्ञापन दीजिए।

उत्तर :

जेडमी फोन

डयूल सिम
स्क्रीन-5 इंच
रैम-2 जीबी
कैमरा 5 एम पी
बैटरी 5000 एम एच

मात्र 5990 रूपये

सबसे कम दाम में सबसे अधिक फीचर्स वाला फोन

ऑफर सिमित समय के लिए आज ही अपने नजदीकी मोबाइल डीलर से सम्पर्क करे।

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online